

Newspaper Clips

November 11, 2011

Times of India ND 12/11/2011

p-4

IIT loses ₹20L in fraud, cops suspect insider

Dwalpayan Ghosh | TNN

New Delhi: IIT Delhi has registered an FIR with the Vasant Vihar police alleging that Rs 975,000 has been fraudulently withdrawn from its account with Canara Bank at the Safdarjung Development Area. At least three other cheques, too, have been encashed in a similar manner, with the loss to the institute pegged at over Rs 20 lakh, cops said. They suspect an insider's hand behind the racket.

Deputy registrar (accounts) M K Gulati has said in the complaint that IIT's accounts officer informed the institute on October 19 that a cheque (No.158165) dated August 8 for Rs 975,000 had been debited on September 21 from the account though no such cheque was actually issued by the authorities. The matter was immediately taken up with the Canara Bank extension branch at IIT Delhi.

"The bank provided us with the 'instrument dropped' detail that showed the cheque was said to be issued by IIT Delhi in favour of 'Shri Mamtas Singh' for Rs 975,000. It was originally prepared in the name of M/s Watchers & Keepers for Rs 179,163 for November 4. But the counterfoil shows that the same was cancelled," the FIR said.

All the cheques were depos-

ited with Bank of India, BRIA (Bulandshahar Road Industrial Area) branch, Ghaziabad, and the whole amount, encashed through cancelled cheques, is still lying in the account.

Cops said the fictitious account in the name of Mamtas Singh was opened on fake documents. "We believe that an insider is involved with the incident," said the investigating officer.

A minute checking of the cheque reveals many discrepancies, said cops. "The date of issue in the cheque by the institute is in the format dd/mm/yyyy, whereas on the cheque in question, it is dd.mm.yyyy. The cheque issued by IIT are computer-printed while the fraud cheque appears to be typed. Thirdly, IIT crosses a cheque diagonally across its left corner with a red stamp saying 'A/C payee only'. But the cheque in question is crossed horizontally with the phrase 'Payee account'. Next, the last five numbers in the cheque issued by the institute do not match with the same in the fraud cheque," said an officer.

In the FIR, IIT said it has requested the BRIA branch to cooperate with Canara Bank to immediately revert the transaction and ensure that the amount is credited back to the IIT account and freeze the fictitious account.

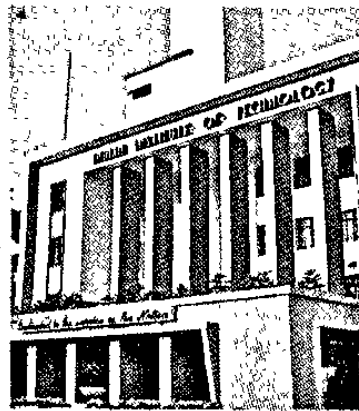
चेक से आईआईटी दिल्ली को 34.40 लाख का चूना

अभिषेक रावत | नई दिल्ली

आईआईटी दिल्ली इन दिनों एक ऐसे ठग से परेशान है, जो उनके पुराने व कैसिल किए जा चुके चेक में हेरा-फेरी कर 34 लाख 40 हजार रुपए का चूना लगा चुका है। आईआईटी को इस जालसाजी व ठगी की जानकारी बैंक खातों की स्टेटमेंट से पता चली। यह जालसाजी अलग-अलग बैंकों के दो खातों में हुई है। आईआईटी दिल्ली की शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस ने इस बाबत जालसाजी व ठगी का मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर माह में आईआईटी दिल्ली की ओर से शिकायत मिली, जिसमें संस्था के साथ धोखाधड़ी का जिक्र किया गया। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया कि संस्था के दो बैंक खातों (कैनरा बैंक, सफदरजंग एक्लेव शाखा व पंजाब नेशनल बैंक, आईजीआई एयरपोर्ट शाखा) से फर्जी चेक के माध्यम से जालसाजों ने कुल 34 लाख 40 हजार रुपए अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर करवाए हैं। कैनरा बैंक के खाते के चेक (संख्या 158165) से एक लाख 79 हजार 163 रुपए के बदले में नौ लाख 75 हजार रुपए निकलवाए गए हैं। आईआईटी दिल्ली ने पुलिस को बताया कि उक्त चेक मैसर्स वाचर्स एंड कोर्पर्स के नाम चार नवंबर 2010 को जारी किया गया था, जिसे बाद में कैसिल कर दिया गया। बैंक स्टेटमेंट से ज्ञात हुआ कि उक्त चेक में हेरा-फेरी करके आठ अगस्त 2011 को नौ लाख 75 हजार रुपए श्री ममतासिंह के खाते में ट्रांसफर कराए गए हैं। यह चेक बैंक ऑफ इंडिया

किस चेक में कितनी हेर-फेर की



चेक संख्या 571048 28 अगस्त 2009 को एयरपोर्ट हैंडिंग सर्विस के नाम पर जारी किया गया था, जिसमें मात्र 1325 रुपए की रकम भरी गई थी। यह चेक कैसिल कर दिया गया। लेकिन 10 सितंबर 2011 को इसी चेक के माध्यम से किसी ने नौ लाख 75 हजार रुपए मेरठ के एक बैंक खाते में ट्रांसफर करवा लिए। चेक संख्या 571049 28 सितंबर 2009 को जारी किया गया था, जिसमें महज 4850 रुपए की रकम भरी गई थी। यह चेक भी संस्थान की तरफ से कैसिल कर दिया गया था, लेकिन इस चेक से भी मेरठ के एक खाते में 14 सितंबर 2011 को सात लाख 75 हजार रुपए ट्रांसफर कराए गए। तीसरा चेक संख्या 487985 जारी जरूर किया गया लेकिन उसे बैंक में भेजा नहीं गया,

वह अभी तक आईआईटी के पास ही पड़ा हुआ है, लेकिन इस चेक से भी सात लाख 15 हजार रुपए किसी अन्य बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। यह ट्रांजेक्शन 26 सितंबर 2011 को किया गया। इस बाबत आईआईटी ने पीएनबी को लिखित में सारी बात बताई। जवाब में बैंक ने आईआईटी को बताया कि चेक पर रजिस्ट्रार के साइन व स्टैप हैं। जब आईआईटी ने रजिस्ट्रार का नाम चेक किया तो पता चला कि चार वर्ष पूर्व जो रजिस्ट्रार थे, उनके साइन व स्टैप के माध्यम से चेक जारी कराए गए हैं। फिलहाल पुलिस ने इस बाबत आईपीसी की धारा 420/467/468/471 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस दोनों बैंकों से पूछताछ कर रही है।

की गाजियाबाद की बुलंदशहर रोड इंडस्ट्रीयल एरिया शाखा में डेबिट हुआ। आईआईटी की ओर से कैनरा बैंक व बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधकों को लिखित में सारी जालसाजी का ब्यौरा दिया गया तथा यह भी बताया गया कि चेक में कई जगहों पर हेर-फेर थे, इसलिए इस मामले की जांच कराने के बाद उनकी रकम वापस दी जाए। लेकिन बैंक ऑफ इंडिया ने सारी बात कैनरा बैंक पर डालते हुए उनसे

जांच में सहयोग करने के लिए कहा है। आईआईटी ने यह भी कहा है कि चेक में कई जगहों पर हेर-फेर की गई है, इसके बावजूद उससे रकम ट्रांसफर हो गई। दूसरी जालसाजी पीएनबी, आईजीआई एयरपोर्ट शाखा के बैंक खाते से हुई। आईआईटी के तीन चेक (संख्या 571048, 571049 व 487985) से किसी व्यक्ति ने 24 लाख, 65 हजार रुपए का चूना लगाया है।

Hindustan Ranchi 11.11.2011 p-13

आइएसएम टू आइआइटी का प्रस्ताव पास

धनबाद | वरीय संवाददाता

इंडियन स्कूल ऑफ माइंस को आइआइटी बनाने के लिए शुरू अभियान अब जोर पकड़ लिया है। मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट (एमएचआरडी) भारत सरकार ने बोर्ड मीटिंग (एडवाइजरी काउंसिल) में आइएसएम टू आइआइटी का प्रस्ताव पास कर दिया है। अब अगली प्रक्रिया

के तहत ड्राफ्टिंग प्रपोजल तैयार किया जाएगा। संभावना है कि लोकसभा में यह बिल शीतकालीन सत्र या उसके बाद लाया जाए। दिल्ली में मिशन आइएसएम टू आइआइटी में लगे नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत धनबाद निवासी नवीन वर्मा ने बताया कि केन्द्रीय राज्य मंत्री जीतेन्द्र सिंह व दिल्ली के सांसद संदीप दीक्षित काफी मदद कर रहे हैं।

आइआइटी बनने के नजदीक : प्रो. बहुगुणा

मिशन आइएसएम टू आइआइटी के लिए लड़ाई लड़ रहे प्रो. पीपी बहुगुणा ने कहा कि अब आइएसएम आइआइटी बनने के नजदीक है। छात्र, शिक्षक व धनबादवासियों का सहयोग मिल रहा है। बड़ी संख्या में राजनीतियों से भी मदद मिली है।

Times of India ND 12/11/2011 p-19

Montek for hiring foreign faculty at varsities

New Delhi: The Planning Commission on Friday argued that laws should be changed to allow universities to hire foreign faculty.

It advocated for an international flavour in varsities that could happen only if the government lifts restriction on hiring international faculty. "Unless this is changed, it will be difficult to make it to the top grade," deputy chairman of the Planning Commission, Montek Singh Ahluwalia, said.

He argued that under existing rules, Indian

varsities are not allowed to recruit foreign faculty and the challenge before planners, policy-makers and educationists — both in public and private sectors — is to build world-class universities that could be counted among the Top 200.

"In the next 20 years, we must see a significant number of educational institutions in that category," he said, adding that the 12th Five Year Plan aims to make primary education more widespread and higher education more research-based. TNN

Business Line ND 12/11/2011

P-17

York university looks to team up with Indian institutions

G. Chandrashekhar
Mumbai, Nov. 11

A high-powered delegation comprising three deans from Toronto's York University representing the Faculty of Science and Engineering (Dr Janusz Kozinski), the Faculty of Health Sciences (Dr Harvey Skinner) and the Faculty of Liberal Arts and Professional Studies (Dr Martin Singer) is currently touring India to explore collaboration opportunities with educational institutions here.

The team has already had meetings with several colleges, aspiring private universities and research institutions in different parts of the country including Mumbai, Kolkata and Bangalore, primarily to promote faculty and student exchange programmes.

York University is Canada's third largest university

► *Research conducted by university's faculty will find immediate application in India: Dean*

and one of world's leading inter-disciplinary teaching and research universities with 54,000 students in ten different faculties offering as many as 5,000 courses. The operating budget for 2010 was \$890 million.

BRAINSTORMING WORKSHOP

The visit of three Deans to India follows a high level workshop – Canada-India Frontiers 2011 – held in Toronto on October 11-12 where over 100 researchers, engineers, technologists and scientists from both countries brainstormed ways and means to collaborate in diverse areas such as life sci-

ences, space exploration, energy and advanced materials.

High level officials and specialists from India's Defence Research and Development Organisation, Indian Space Research Organisation, Indian Institute of Technology and several Indian universities participated, with Dr Vijay Saraswat, scientific advisor to Indian Defence Minister and Dr W. Selvamurthy, chief controller DRDO, as the key academic speakers.

ENERGY SECTOR

In an exclusive chat with *Business Line* last week during his visit to Mumbai, Dr

Kozinski, Dean of the Faculty of Science and Engineering who spearheaded the Canada-India workshop, said research advances made by his faculty have immediate application and use for India, a country where enormous possibilities exist for collaboration in the energy sector, space and materials sciences.

DEFENCE TO BIO-WAR

Of immense importance to India is a technology developed by Dr Kozinski himself, called e-WARN (Early Warning and Advance Response Network) which has the capability to detect, quantify and initiate an effective response to chemical and biological warfare.

It is learnt that e-WARN technology is under consideration at the highest level in the government.

Financial Express ND 12/11/2011 P4

Manipal Education set to add more courses, plans campus in Sri Lanka

Debojyoti Ghosh

Bangalore, Nov 11: The ₹1,100-crore Manipal Education is looking at expanding its corporate education and training portfolio beyond banking to newer sectors like healthcare, construction, transportation, media and entertainment amid plans to widen its international presence with a university campus in Sri Lanka.

The company whose investors include IT czars Narayana Murthy and Azim Premji, expects its revenue from corporate training and education to contribute a fourth of overall revenue in the next four to five years from 15% at present. For Manipal Education, 60% of its revenue comes from outside India, while 40% is generated within the country.

"In India corporate education and training is a huge market. We are looking at technical areas like diagnostics and healthcare management. Construction is another sector we see large potential right from basic construction work to supervisory and managerial jobs," said Anand Sudarshan, managing director and CEO, Manipal Education.

In all these verticals, Manipal will have corporate tie ups offering diplomas, certificate



Company expects its revenue from corporate training to contribute a fourth of overall revenue in the next years from 15% at present

courses and short-term programmes

The group currently offers a banking and finance course for probationary officers at the ICICI Bank and Bank of Baroda, with two more banks in the pipeline.

The company also runs short-term and certificate programmes for entry-level retail sector. It has tie ups with retail majors like Shoppers Stop and Reliance Retail. Manipal hopes to partner with at least 40-50 companies in the next five years for customised education and train-

ing formats. The group's corporate education arm includes companies such as Meritrac, a testing and assessment company, IndiaSkills, a joint venture initiative with City and Guild, UK for skills certification and U21 Global, an online business school.

While the Indian industry requires more than 15 million skilled workers per year, the country's formal education system has been said to have fallen short when it comes to creating employable graduates.

Sensing large market potential, job training institutes have

rushed to fill the employability gap, giving rise to a huge corporate training market in the country, which is pegged at over ₹2,000 crore, excluding the IT training programmes. According to Kaizen Education Report, 2010, the corporate training market in India is growing at a compounded annual growth rate (CAGR) of 22% over the last four years.

As part of the education group's overseas expansion, last year in November, the company announced plans to set up a \$180 million multi-disciplinary international university in Malaysia. Outside of India, the group owns and operates educational institutions in Antigua, Dubai, Nepal and Malaysia through Manipal Universal Learning (MUL), an education and training company. While MUL only provides training services in India, it owns and operates educational institutions abroad, which are allowed to have profit-based models.

In February 2010 MUL managed to rope in ₹200 crore from Premji Invest, while Catamaran also invested ₹200 Crore in December. "We are not looking at raising any more funds at present. We are also not exploring IPO any time soon," said Sudarshan

HindustanTimes

Title : NOBEL LAUREATE HAR GOBIND KHORANA DIES

Author : Yashwant Raj letters@hindustantimes.com

Location : WASHINGTON:

Article Date : 11/12/2011

NOBEL LAUREATE HAR GOBIND KHORANA DIES

Yashwant Raj

■ letters@hindustantimes.com

WASHINGTON: Har Gobind Khorana, a Nobel laureate most Indians grow up claiming as their own, died on Wednesday in Concord, Massachusetts. He was 89. He died of natural causes, said the Massachusetts Institute of Technology (MIT), where he was professor emeritus biology and chemistry. He joined MIT in 1970. Two years before, Khorana won the Nobel, in 1968, sharing it with two others, for unravelling the nucleotide sequence of RNA and deciphering the genetic code.

He was then with the University of Wisconsin. Born in 1922 in a part of Punjab that went to Pakistan after partition, Khorana was a US citizen, having lived outside the subcontinent most of his life. But that didn't stop Indians from counting him among the handful of Indians — Indians of Indian descent or Indians living abroad — to have won the Nobel. Rabindranath Tagore was the first to win it from India. CV Raman and Amartya Sen were the other two Indians. Mother Teresa was a foreign born Indian.

Khorana's Nobel was somehow the most cherished for Indians, perhaps because it was the first for someone from India after Independence. "Gobind was a brilliant, path-breaking scientist, a wise and considerate colleague, and a dear friend to many of us at MIT," said Chris Kaiser, head of the Department of Biology, in an email announcing the news.

Mint ND 12/11/2011

P-7

Plan panel sets tone for reform in education

BY PRASHANT K. NANDA
prashant.n@livemint.com

NEW DELHI

The government is considering state-funding of research at private institutions and allowing Indian universities to recruit foreign nationals as permanent faculty, Planning Commission deputy chairman Montek Singh Ahluwalia said on Friday.

While currently, government research funding is confined to state-run institutes, "we are trying to change things", Ahluwalia said.

"The challenge before planners, policymakers and educationists, both in the public and private sector, is to produce world class Indian universities that could be counted in the Top 200 rating list. In the next 20 years, we must see a significant number of educational institutions in that category," he said.

Ahluwalia said that he is personally open to allowing for-profit academic institutes but this would call for a policy shift. "I think private education players need to lobby for removal of dysfunctional regulations," he said.

There is also the need to permit Indian universities to hire foreign scholars as permanent faculty, Ahluwalia said. This would not happen unless the government removes the restriction on employment of international faculty, he said. The government only allows foreign faculty to be appointed on a contractual basis at present.

According to an Ernst and Young report, there is high imbalance and disparity in India's higher education. At least, 48% universities and 69% colleges have inadequate infrastructure and almost half of the positions for professors, readers and lecturers were vacant, the report reveals. Overall, the national enrolment average is 13.8% of those who are eligible to pursue higher education. There is a marked disparity in higher education across states, according to the report, while there was 31% enrolment in Delhi, the figure is only 8.3% in Assam.

Rajan Saxena, vice chancellor of Narsee Monjee University in Mumbai, said that though private sector is a big contributor to higher education, it needs a favourable policy environment from the government. "Funding and fee deregulation can be a great help," he said.

For higher education, the 12th Plan objective was expansion, equality of access and excellence, Ahluwalia said, adding that the target was to raise the gross enrolment ratio from the current level of 15% to 30% over the next 15 years. "Expansion of higher education has to be balanced with equality of access, especially for those living in areas where educational institutes did not exist," he said.